

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/

श्रीने व्यवस्था कालीएना श्रामाथ भावश्री विविधाः प्रमा इहारानीश्रामाळा मिलव चेप्रवेस् चिता है। च मवरा एलंगाथ जाए मेह खरा लटाता है। मेर बड जा ने वाले हैं। से वाले हैं। से वाले में च बाए एवं हैं। से वाले में च बाए एवं हैं। से वाले में च बाए एवं हैं। से वाले में च बाए हैं। से विच्छा पा हिला धार कि च बे लो का मोहिय हैं। से वाले में च बारा पा है। से वाले च बे लो का मोहिय हैं। से वाले में च बारा पा है। से वाले च बे लो का मोहिय हैं। से वाले में च बारा पा है। से वाले च बे लो का मोहिय हैं। से वाले में च बारा पा है। से वाले च बे लो का मोहिय हैं। से वाले में च बारा पा है। से वाले च बे लो का मोहिय हैं। से वाले में च बारा पा है। से वाले च बे लो का मोहिय हैं। से वाले में च ले का मोहिय हैं। से वाले में च ले का मोहिय हैं। से वाले में च ले का महिय हैं। से वाले में च

Xerro X. -- 1.

Acc. No. 2634 M1488

Title - Jaron Siemanard (Calenjan Manara) (Sigol)

Author - Horas. 41895

Date - ?

Subject - 24151.

शंभू लामहे श्वरं मोगेरां क्षोभमन्य धत्वापरिर भू हुहः वरं द्रसान्त घोनवरावणा दिनित्राचरात्रायस्य प्र सादारात्राहे तेला का वित्रयोगित भूग्याधना धिषः हुवे रो विस्रेरतो। भू छ बीपितः ॥एवहिस्स्वलादेशः सर्वास हिश्वराः विधे ६ श्रीजगन्मगलस्यास्य अवचस्य अविः त्रिवः । छहा च एपरे वताचर शिरोकालिके राजा । अ। जगतामाह ने दुष्ट प्रत्येषु कि मुस्सिष्। यो विता वर्ष एो चे

विविधागः प्रकीर्तिनः विश्विमानिकालिकाणानुक्रीं कार्यकाक्ष्यीप्याः की की की मेललाटेनुकालिकारव निधारिका त्रंपानुक्रयुग्मं की कार्यानुक्रती मार शिक्षकालिकेपानुज्ञाणसुग्मं महेन्वशालिका की की की रसन्पानुहरंपानुक्रपालका वर्षस्वकृपानुकार्य स्वाहास्त्रकृषिका १९ हावित्रास्थ्यरी रसंधोमहा विद्या विल्लपुरा खुर्सुडधराजालावरहाभयपाणिना विद्या

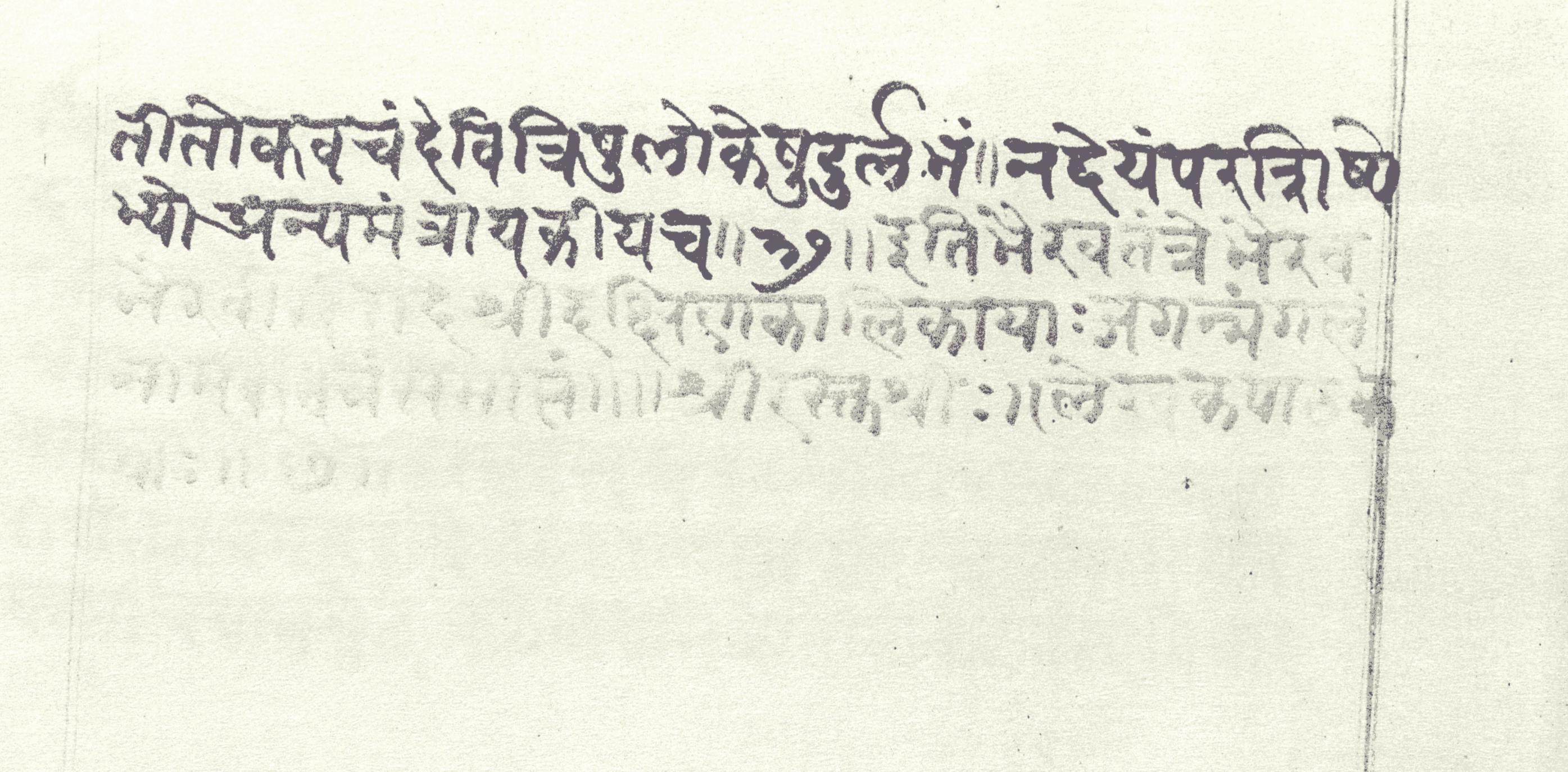
विधारवारां तेरस्युग्महं । १६। असी झीं मेरवारापा तुनान ना कालि सासदा । असी है सी पातुसारा लेरदा श चातुर्व गिरु ले पातुसारा लेरदा श रोकालि के वनु। औं है सी खारापा रेपातु चतुर्द शाश्च रोम मा १६। रबद्र से डेट्रा का ली बरहा भयपा शिना ॥ वि द्या भि : सब ला भिश्च सर्वी ग्रम भिना वनु ॥ २०। का ली क पालिनी जुल्ला कुर कुल्पा विशे धिना । विश्व विज्ञान थो

11311

यायः प्रभादीसाधन विषाण्यः नीलाधनाबलासा चमात्रासुद्दामिनात्रिताण्यः सर्वाः स्व रूरसामुउ मालाविम् पिनाः त्रश्यश्वेत् रिष्वि दिश्वमां आह्माना रायणीनथा मारेश्वराचचा मुंडाकोमारी चापराजिता व्य वाराहीनार सिंहा चसवाश्चामिनस्वणाः त्रशं वस्वायुधे रिश्वि विश्वसां यथानथा। वश्वरानिन स्व

राविद्याद्यविष्टहं त्र बेलो का रूप में मुस्य व चं नम् रवो दितम् एरपूर्णाविधायाथा विधिवस्य पढेनरः त्र प्रका बचं विः सह हा वि। जाव जी वितिमानवः एएत छता धम रखे बेलो का विजयो भवेत एर है बिलो को साभ य सेवस बच स्य प्रसाद तः महाक विभवेत्सा शास्त्र विभिद्ध स्वरो भवत १० । ए खां जली का लिका ये मूले ने वप के सहा रातव विस्तर स्वाएं प्रजाया प्रतमा सुयात ए र निर्जे विलिखितं चेवतत्वर्णस्यं धारये द्वाराविष्यं दे शिरो बाहा बंहेन धारये प्रतं विश्वाने धाने विलेखिता बंहेन धारये प्रताला प्रत्रवान् धाने विलेखिता विले

एगत् वर बहुपस्याज्ञाबवस्या भवत्यवनसंज्ञायः । नद् यंपर विद्याभन्न स्योगिविज्ञास्तः । दश्राज्ञास्याभागः । त युक्त स्यश्यान्यथा मत्समाप्त्रयात् । स्य धीन्यधीन्यस् ल वात्र्वामं (दरेसुरवे। १४। पाचरतस्यमास्याय। नवस् स्यविक्रियतं इदे यवस्य सालायोज्ञियत् धार्मास्यायः । व्यविक्रियतं इदे यवस्य सालायोज्ञियत् धार्मास्य । वात्राचात्रयायात्रस्य विद्यानिस्दर्शात्रस्य । सालायोज्ञात् । व्यव्यानिस्तर्यात् । व्यानिस्तर्यात् । व्यव्यानिस्तर्यात् । व्यव्यानिस्तर्यानिस्तर्यात् । व्यव्यानिस्तर्यात् । व्यानिस्तर्यात् । व्यानिस्तर्यात् । व्यानिस्तर्यात् । व्यानिस्तर्यात् । व्यानिस्तर्यात् । व्





,CREATED=22.10.20 13:17
,TRANSFERRED=2020/10/22 at 13:18:33
,PAGES=6
,TYPE=STD
,NAME=S0004388
,Book Name=M-1488-JAGANMANDLKAVCHAM
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE5=00000005.TIF

[OrderDescription]